

'कांग्रेस विधायक को देखकर बजट देती थी, भाजपा ने सब जगह विकास कार्य कराये'

भाजपा की कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा में "राष्ट्र प्रथम" नीति पर कार्य होता है



भाजपा प्रदेश कार्यालय पर संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रवेश कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया।

जयपुर, 28 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति तथा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व, सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रवेश कार्यशाला आयोजित की गई। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रदेश चुनाव प्रभारी नारायण पंचारिया, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी के अध्यक्षता में 2 सत्रों में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, संगठन के कार्यों को गति देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने का आ आ किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ही "राष्ट्र प्रथम" की नीति पर कार्य करने वाली राजनीतिक पार्टी है। भाजपा में जहां देश में लोकतंत्र की रक्षा

के लिए कार्य किया जाता है, वहीं आंतरिक लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए संगठन के कार्यों को भी लोकतांत्रिक रूप से पूरा किया जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसियों की दोगली नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि एक ओर भाजपा सरकार है, जिसने बजट 200 विधानसभाओं के लिए काम किया, वहीं दूसरी ओर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, जो क्षेत्र और विधायक को देखकर विकास कार्य करवाती थी। भाजपा ने जो बजट पेश किया, उसकी क्रियान्विति के लिए कार्य भी किए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति और नीति पर विश्वास करता है। इन्हीं कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बना पाया है। भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों को भी जिम्मेदारी

निभानी होगी। मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यशाला के माध्यम से 29 अक्टूबर को प्रदेशभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन करने का आ आ किया। राठौड़ ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अक्टूबर देश को एकता के लिए रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन करने का आ आ किया है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के सदस्यता अभियान ने तेजी से लक्ष्य को पूरा किया है। कार्यशाला में प्राथमिक सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि देशभर में 10 करोड़ सदस्यों में से 61 फीसदी सदस्य 35 साल से कम उम्र के हैं। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीति में देश का युवा

विश्वास जता रहा है। भाजपा उपाध्यक्ष एवं प्रदेश चुनाव अधिकारी नारायण पंचारिया ने संगठन पर्व की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के बाद प्रदेश चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की गई। अब जिला चुनाव अधिकारी और दो सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

कार्यशाला में सदस्यता अभियान में प्रदेश के टॉप 5 विधानसभा क्षेत्रों के संयोजक एवं सह संयोजकों को सम्मानित किया गया। इसमें कोटा की सांगानेर, जयपुर की सांगानेर, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, और उदयपुर शहर के संयोजकों को प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सह चुनाव अधिकारी दामोदर अग्रवाल ने किया और सह चुनाव अधिकारी हरिराम रणवा ने धन्यवाद दिया।

रोहतक-दिल्ली ट्रेन में विस्फोट

रोहतक, 28 अक्टूबर। रोहतक से दिल्ली जा रही सवारी रेल गाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट हो गया। विस्फोट की वजह से एक बोगी में आग लग गई, जिससे चार यात्री गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

हादसे के बाद घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर रेलवे पुलिस व स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गईं। रेलवे और पुलिस की टीम ने

एक बोगी में आग लगी, 4 यात्री गंभीर रूप से झुलसे।

घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में पता चला है कि कोई व्यक्ति गंधक-पोटाश लेकर जा रहा था और उससे ही विस्फोट हुआ है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से भी एक टीम मौके पर पहुंची और इस बारे में पूछताछ की। इसके अलावा एफ.एस.एल. की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके से जरूरी तथ्य जुटाए।

महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मामले में उच्च नैतिक मूल्यों का दावा नहीं कर सकती। भाजपा का टिकट पाने वाले इन नाते-रिश्तेदारों में अप्रतिष्ठित लोग शामिल हैं- मीरा मुण्डा, जो पूर्व भाजपा मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा की पत्नी हैं, बाबूलाल सोरेन, जो जे.एम.एम. के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के पुत्र हैं, पूर्णिमा दास, जो पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की पुत्रवधू हैं, शत्रुघ्न महतो, जो भाजपा सांसद दुल्लू महतो के भाई हैं, तथा रागिनी सिंह, जो पूर्व विधायक संजीव सिंह की धर्मपत्नी हैं। सीता सोरेन, जो जे.एम.एम. के जाने-माने नेता शिवु सोरेन की पुत्र-वधू हैं, भी जामताड़ा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा की धर्मपत्नी गीता कोडा जगन्नाथपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी।

परिवारवाद का टैग जे.एम.एम. पर भी पूरी मजबूती के साथ लगा हुआ है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तो बरहेट से चुनाव लड़ ही रहे हैं, वहीं उनकी धर्मपत्नी कल्पना भी शान्डी सीट से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं, तथा हेमन्त के भाई बसन्त भी दुमका सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं। इसी बीच, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की धर्मपत्नी सविता ईचगढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, तथा पूर्व मंत्री जगन्नाथ महतो की धर्मपत्नी बेबी देवी हुजरी सीट से पार्टी प्रत्याशी हैं। पूर्व मंत्री हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हाफिजुल हसन मधुपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस में, पूर्व मंत्री अवध बिहारी सिंह की पुत्रवधू दीपिका पाण्डे सिंह महगामा सीट से तथा पूर्वमंत्री योगेन्द्र

- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी, भाई, उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की पत्नी मैदान में हैं। पार्टी ने कई नेताओं के करीबी रिश्तेदारों को टिकट दिया है।
- महाराष्ट्र में तो परिवारवाद और भी बड़े स्तर पर है। भाजपा ने अशोक चव्हाण की बहु, मुम्बई भाजपा अध्यक्ष के भाई को टिकट दिया। भाजपा, कांग्रेस, शिव सेना व एन.सी.पी. सहित सभी दलों ने अपने बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को पर भरोसा जताया है कि आम कार्यकर्ता पर।

साहू की पुत्री अम्बा प्रसाद बड़कागाँव सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

लेकिन परिवारवाद की यह प्रवृत्ति महाराष्ट्र में और भी ज्यादा दिखाई दे रही है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गये अशोक चव्हाण की पुत्री श्रीजया भाजपा टिकट पर भोकर सीट से चुनाव लड़ रही हैं, वहीं मुम्बई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार के भाई, विनोद शेलार मलाड पश्चिम से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि आशीष स्वयं बांद्रा पश्चिम सीट से पुनः चुनाव मैदान में हैं। श्रीगोंडा में, मौजूदा विधायक बाबनराव पचौटे की पत्नी टिकट पर भोकर सीट से चुनाव लड़ रही हैं। कल्याण पूर्व सीट से भाजपा मौजूदा विधायक गणपत गायलवाड़ की पत्नी सुलभा को टिकट दिया है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के दूसरे नम्बर के बेटे नीलेश शिवसेना (शिन्डे) प्रत्याशी के रूप में कान्हीली सीट से चुनाव लड़ेंगे। चिंचवड जिले में, वर्तमान विधायक अश्वनी जगताप के भाई शंकर भाजपा प्रत्याशी के रूप में खड़े किए गए हैं। शिन्डे के नेतृत्व वाली सेना ने राज्य के मन्त्री उदय सामन्त के भाई किरण को राजापुर से पुनः प्रत्याशी के सांसदों

सन्दीपन मुमारे तथा रवीन्द्र वाडकर के परिजनों की भी प्रत्याशी बनाया गया है। सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने आदित्य ठाकरे को वली सीट से तथा चचेरे भाई वरुण सरदे साई को बांद्रा पूर्व से खड़ा किया है। राज्यसभा सांसद संजय राउत के भाई सुनील विखरोली सीट से खड़े किए गए हैं। एम.एन.एस. नेता राज ठाकरे के पुत्र अमित मुम्बई की महिम सीट से खड़े किए गए हैं। सच तो यह है कि यह सूची अनन्त है।

'नड्डा और मैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बताये थे। उन्होंने जोर देते हुए कहा था कि एकता किसी भी राष्ट्र के लिये बहुत महत्वपूर्ण होती है। हासबाले ने कहा, "इस नारे के पीछे भावना क्या है? भावना यह है कि हिन्दू समाज को संगठित रहना चाहिए। अगर हम जाति, रंग, पंथ के आधार पर बैठ जायेंगे, तो हम मार दिये जायेंगे। एकता हर राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण होती है। यह (कटेंगे-बँटेंगे) इन्हीं भावनाओं के सम्भोग एक दूसरा तरीका मात्र है।"

प्रियंका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रखा। फिर उन्होंने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया, मुझे एक जप माला दी। उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने को कहा, इसके 5-6 साल बाद मैं वहाँ गई। मैं बच्चों को पढ़ाती थी। हम बाथरूम साफ करते थे, खाना बनाते थे। तब मुझे उनका दर्द समझ में आने लगा। मैंने जाना सेवा क्या होती है। कैसे समुदाय एक दूसरे की मदद करता है। यही सब मैंने भू-स्खलन के समय वायनाड में देखा कि कैसे आप सब एक दूसरे की मदद कर रहे थे। मुझे आप पर गर्व है। आप साहसी लोग हैं।

भतीजे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हित सरकार बनायेगा। उन्होंने कहा, "हमारा गठबंधन महंगाई, बेरोजगारी, कृषकों, महिलाओं, आदिवासियों और गरीबों से जुड़े सवालों के समाधान के लिये काम करेगा।"

महाराष्ट्र चुनाव की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कटिंग व पॉलिशिंग होती है। मुम्बई में ट्रेडिंग व एक्सपोर्ट होता है। डायमंड ट्रेड पार्क सूरत में बनाया गया। सरकार का कदम फेल हो गया क्योंकि अधिकांश हीरा व्यापारियों ने वापस अपना काम मुम्बई में सैट कर लिया।"

रमेश ने कहा, टाटा एयरबस मैनुफैक्चरिंग प्लांट के अलावा वेदांता-फॉक्सकॉन चिप फैक्ट्री भी महाराष्ट्र से गुजरात ले जाई गई थी पर यह कदम भी सफल नहीं हुआ। ड्रग पार्क भी गुजरात शिफ्ट किया गया। टेक्सटाइल कमिश्नरेंट ऑफिस जो 86 साल से मुम्बई में था को गत वर्ष किना किसी कारण दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया, जबकि यह जाना माना तथ्य है कि मुम्बई मैट्रोपॉलिटन रोजन टेक्सटाइल का बड़ा केन्द्र है। दत्तोपंत टेंगडी नेशनल बोर्ड फॉर वर्कर्स एजुकेशन एण्ड डवलपमेंट को भी वर्ष 2021 में नागपुर से हटा कर दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस और महाविकास आघाड़ी ऐसे पक्षों में भरोसा नहीं करता है। हम पूरे प्रदेश के समृद्ध विकास में यकीन करते हैं। नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, स्पेशल इन्वेस्टमेंट ज़ोन और मांडन उद्योगों से सभी भारतीयों को लाभ होना चाहिए, सिर्फ एक राज्य को नहीं।

भाजपा ने महाराष्ट्र की तीसरी सूची जारी की

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। वहीं दूसरी सूची में 22 प्रत्याशियों के नाम घोषित किये थे। इस तरह से पार्टी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 146

इस सूची में 25 प्रत्याशियों के नाम हैं। भाजपा अब तक 146 नाम घोषित कर चुकी है।

प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

सुरक्षा बलों ने अखनूर में 3 आतंकी मारे

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकीयों को मार गिराया। अफसरों ने बताया कि एक आतंकीवादी की बाँधी मिल गई है। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल (एल.ओ.सी.) के पास भट्टल इलाके में इन आतंकीयों ने आर्मी एंजलैस पर फायरिंग की थी, हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे

की मशक्कत के बाद तीनों आतंकीयों को ढेर कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकीयों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मुठभेड़ में सेना के डॉग फैंटम की भी मौत हो गई। जम्मू के डिफेंस पी.आर.ओ. ने कहा कि हम अपने डॉग फैंटम के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। हमारे सैनिक जब फंसे हुए आतंकीवादियों के करीब पहुंच रहे थे, तब फैंटम ने दुश्मन की गोलीबारी को खेला, जिससे वह घायल हो गया।

क्या आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनका, कन्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) के रूप में कार्यकाल नवम्बर में समाप्त हो रहा है। माना जा रहा है कि मोदी प्रशासन के एक विश्वासपात्र ब्यूरोक्रेट का केन्द्र के वित्तीय मामलों के निरीक्षण के लिये चयन किया जाएगा। मुर्मू को एक्टेशन नहीं मिल सकता, क्योंकि उनकी नियुक्ति की शर्तों में साफ लिखा है कि रिटायर होने के बाद वे न एक्टेशन ले सकते हैं न कोई नया पद। वहीं, चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (सी.ई.ए.) एवं सेबी चेयरपर्सन को संभवतः पुनः नियुक्त किया जा सकता है। आर.बी.आई. के बारे में निर्णय के एक महीने के बाद, सरकार को चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (सी.ई.ए.), वी. अनंत नागेस्वरन के बारे में निर्णय लेना होगा। शीघ्र ही बजट की तैयारियाँ शुरू होने के कारण सी.ई.ए. के

बारे में जल्दी निर्णय लिए जाने की संभावना है, क्योंकि सी.ई.ए. को ही बजट तथा इकोनॉमिक सर्वे के लिए आवश्यक तकनीकी सलाह देनी होती है। माधवी पुरी बुच को लेकर उठे विवादों के कारण सेबी चीफ की नियुक्ति सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। माधवी पुरी बुच इंग्लैण्ड की हैं। माधवी पुरी बुच पर अनियमितता तथा हितों के टकराव के आरोप लगे हैं, जिनका उन्होंने खण्डन किया है। इस बीच यह आंतरिक बहस चल रही है कि क्या सिविल सेवक ऐसी भूमिकाओं के लिए बेहतर हैं। मार्च 2022 में तीन साल के कार्यकाल के लिए सेबी चीफ बनीं, माधवी बुच पुनर्नियुक्ति के लिए योग्य हैं, क्योंकि उनके कई पूर्ववर्तियों के ऐसे

कार्यकाल रह चुके हैं। ए ग्रेड मिलने के बाद शक्तिकांत दास, डैनमार्क के क्रिश्चियन कैटल थॉमसन, एवं स्विट्जरलैंड के सेंट्रल बैंक के प्रमुख थॉमस जॉर्डन की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। ए ग्रेड प्राप्त करने वाले केन्द्रीय बैंकर्स हैं, ब्राजील के रॉबर्टो कैम्पोस नेटो, चिली के टोसना कोस्टा, मॉरीशस के हरवेश कुमार सोगोलाम, मोरॉक्को के अब्देललतीफ जोआहरी, दक्षिण अफ्रीका के लेसेटजा कन्यागो, श्रीलंका के नंदलाल वीरसिंघे एवं वियतनाम के गुएन थी होंग। ग्लोबल फाइनेंस के अनुसार, विश्वभर के केन्द्रीय बैंकों के लिए, गत बारह महीने बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं। ये लोग न केवल महंगाई से लड़ रहे हैं तथा मंदी से बचने की कोशिश कर रहे हैं, और अक्सर अपने जाँब मार्केट को सपोर्ट कर रहे हैं, बल्कि ये दुनियाभर के अन्य तब

बड़े केन्द्रीय बैंकों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का पूर्वानुमान लगाने तथा उनसे डील करने का प्रयास भी कर रहे हैं और साथ ही साथ अपनी करेंसी की रक्षा करने में भी जुटे हुए हैं। अक्सर कम विकास और कम इन्फ्लेशन की अपेक्षाओं के आधार पर एक नई मौद्रिक नीति की तैयारी करने के लिए भी काम कर रहे हैं। ये लोग आमतौर पर अन्य केन्द्रीय बैंकों के एक्शन पर हाथ की हाथ प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्थिक स्थितियों के अलग अनुमान के आधार अपनी ब्याज दरों के साथ स्वतंत्र रख अपनाने के खतरे व संभावनाएं भी शामिल हैं। इस प्रकार अधिकांश गवर्नर्स के लिए ग्रेथ व इन्फ्लेशन के बीच संतुलन बिटाने की कड़ी चुनौती तो रही ही है, साथ ही हर स्थिति पर बारीक नज़र भी रखनी पड़ती है।